ET THE ECONOMIC TIMES

Feb 05, 2024

First Global ने तीन साल में इस तरह एक लाख के बना दिए 2.57 लाख, जानिए देविना मेहरा से

देविना मेहरा ने कहा है कि फर्स्ट ग्लोबल फंड ने साल 2023 की समाप्ति 33.7 फीसदी रिटर्न के साथ की है जबकि निफ्टी ने 21.3 फ़ीसदी का रिटर्न दिया है.

Produced by Amit Tyagi

देविना मेहरा ने कहा है कि फर्स्ट ग्लोबल फंड ने साल 2023 की समाप्ति 33.7 फीसदी रिटर्न के साथ की है

नई दिल्ली: पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज कंपनी चलाने वाली फर्स्ट ग्लोबल की फाउंडर और चेयर पर्सन देविना मेहरा ने कहा है कि उनके पीएमएस में 3 साल पहले लगाए गए ₹100000 की रकम 2.57 लाख रुपए हो गई है. मेहरा ने कहा कि 3 साल में अगर इंडेक्स में निवेश किया जाता तो ₹100000 की रकम सिर्फ 1.87 लाख रुपए बनती. देविना मेहरा ने कहा है कि बदलते दौर में कई देशों के एसेट क्लास में बदलाव हो रहा है और शेयर बाजार में कमाई करने के लिए अब आपको डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने की जरूरत है.

फर्स्ट ग्लोबल के फर्स्ट ग्लोबल फंड ने साल 2023 में 30 फीसदी का रिटर्न दिया है जबकि निफ्टी 50 ने 21 फीसदी रिटर्न दिया है. देविना मेहरा ने कहा है कि फर्स्ट ग्लोबल फंड ने साल 2023 की समाप्ति 33.7 फीसदी रिटर्न के साथ की है जबकि निफ्टी ने 21.3 फ़ीसदी का रिटर्न दिया है.

दिलचस्प तथ्य यह है कि फर्स्ट ग्लोबल फंड ने इस अवधि में जोखिम कंट्रोल के कड़े दिशा निर्देशों का पालन किया है. फर्स्ट ग्लोबल ने कहा है कि उन्होंने माइक्रो कैप और स्मॉल कैप में निवेश की एक सीमा बना रखी थी. हजार करोड रुपए से कम के मार्केट कैप वाली कंपनियों में वह निवेश करना जरूरी नहीं समझते. 5000 करोड रुपए तक के मार्केट कैप वाले कंपनियों के शेयरों में भी उनके कुल निवेश का 15-17 फ़ीसदी हिस्सा ही जाता है.

देविना मेहरा ने कहा है कि वह शेयरों में निवेश करते समय लिक्विडिटी क्राइटेरिया का बहुत ज्यादा ध्यान रखती है जिससे कि जब जरूरत हो तब शेयरों से निकासी की जा सके. देविना मेहरा ने कहा है कि जनवरी में शेयर बाजार काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है और छोटी अवधि के बाजार की चाल पर कमेंट करना वह जरूरी नहीं समझती.

देविना मेहरा ने कहा है कि साल 2010 से 2020 कम रिटर्न देने वाले साल रहे हैं. साल 2010 में शेयर बाजार में ₹100 का निवेश 10 सालों बाद ₹230 बना है जबकि 1980 में ₹100 का निवेश उसे दशक के अंत में ₹700 बना गया था. देविना मेहरा ने कहा है कि भारत में जब शेयर बाजार सामान्य से कम रिटर्न देता है तो यह बुल रन के लिए जगह बना रहा होता है.

साल 2020 में कोरोना संकट के दौरान निचले स्तर के बाद से शेयर बाजार ने शानदार रिटर्न देकर मालामाल किया है. जब शेयर बाजार सामान्य से अधिक रिटर्न देने लगता है तब उसमें कमजोरी आने की आशंका होती ही है. देविना मेहरा ने कहा है कि हम अपने पीएमएस पोर्टफोलियो को आंशिक रूप से हेज करते हैं और इसलिए शेयर बाजार की गिरावट के दौर में भी जोखिम सीमित रहता है.